दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, बुधवार 11 सितम्बर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-01, अंक- 342

भारत-पाक के बीच तनाव में आई कमी, दोनों देश चाहें तो मदद को तैयारः ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच 2 सप्ताह पहले के मुकाबले तनाव में कमी आई है। इसके अलावा उन्होंने एक बार फिर दोहराया है कि यदि दक्षिण एशिया के दोनों पड़ोसी चाहें तो वे मध्यस्थता के लिए तैयार हैं। ट्रंप का यह बयान 26 अगस्त को फ्रांस में जी7 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के 2 सप्ताह बाद आया है। इस मुलाकात में पीएम ने ट्रंप के सामने दो टूक कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच किसी मुद्दे पर तीसरे देश के हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

सोमवार को ट्रंप ने व्हॉइट हाउस में मीडियाकर्मियों से कहा, आप जानते हैं कि कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान में टकराव है। मेरा मानना है कि 2 सप्ताह पहले जितना तनाव था उसमें अब कमी आई है। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को भारत सरकार द्वारा निष्प्रभावी किए जाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है।

भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की कई बार इच्छा जाहिर कर चुके ट्रंप ने एक बार फिर यही दोहराया है। भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति के आकलन को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, च्मुझे दोनों देशों का साथ बहुत अच्छा लगता है। मैं उनकी मदद करना चाहता हूं, यदि वे चाहें। वे जानते हैं कि उनके सामने यह प्रस्ताव है।

जुलाई में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के अमेरिकी दौरे के दौरान ट्रंप ने कश्मीर मुद्दे पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का प्रस्ताव रखा था। भारत ने तुरंत इसे द्विपक्षीय मुद्दा बताते हुए प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। भारत ने ट्रंप के इस दावे का भी जोरदार खंडन किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्यस्थता के लिए कहा था। पिछले महीने फ्रांस में मोदी और ट्रंप की मुलाकात हुई थी। इस दौरान ट्रंप ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान को कश्मीर मुद्दे का समाधान करना है। पीएम मोदी ने भी स्पष्ट किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच सभी मुद्दे द्विपक्षीय हैं और किसी तीसरे देश को कष्ट नहीं दिया जाएगा।

चन्द्रयान-2

बाढ़ की चपेट में मप्र के कई हिस्से

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में पिछले तीन दिन से लगातार जारी बारिश के बीच नदी नालों में उफान के चलते अब तक आधा दर्जन से भी ज्यादा लोगों की मौत की सूचना है। स्थानीय मौसम केंद्र ने आज भी राज्य के 8 जिलों में कहीं कहीं घनघोर बारिश होने, अन्य 8 जिलों में अति भारी वर्षा होने तथा अन्य 16 जिलों में भारी वर्षा होने की चेतावनी दी है। राजधानी भोपाल में पिछले करीब तीन दिन से बारिश का प्रकोप कायम है। यहां आसमान में पूरी तरह बादलों का डेरा है और रुक-रुक कर बारिश का क्रम लगातार जारी है। बाढ़ से बहुत ज्यादा प्रभावित विदिशा जिले में लगातार बारिश के चलते विभिन्न स्थानों पर कुल 15 बस्तियां जलमग्न है, जहां 5 से 6 फीट पानी भरा है। यहां बेतवा नदी के पुल से 15 से 20 फ़ीट ऊपर बह रही है। रायसेन जिले का भी विभिन्न स्थानों पर नदियों और नालों के उफान पर होने से विदिशा और भोपाल से सड़क संपर्क टूटा हुआ है। यहां कई स्थानों पर नदियां पुल से करीब 10 फीट ऊपर तक बह रही हैं। जबलपुर जिले के ग्वारीघाट पर कल शाम नर्मदा में स्नान करते समय साहिल पटेल (19) नाम का युवक डूब गया। उसकी देर रात तक तलाश जारी होने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका था।

बिहार में अलग-अलग दुर्घटनाओं में दस लोगों की मौत

पटना (आरएनएस)। बिहार में मुजफ्फरपुर , पूर्वी चंपारण ,सारण और भागलपुर जिले में अलग-अलग दुर्घटनाओं में दस लोगों की मौत हो गई। मुजफ्फरपुर से यहां प्राप्त समाचार के अनुसार जिले के पानापुर पुलिस आउटपोस्ट के मधुबन-कांटी गांव में आज शौचालय की टंकी में दम घुटने से एक ही परिवार मे चार लोगों की मौत हो गयी।मधुबन-कांटी गांव निवासी मधुसूदन सहनी के नवनिर्मित मकान में शौचालय की टंकी का सेंटरिंग खोला जा रहा था। इसी दौरान दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान मधुसूदन सहनी (48) उसका पुत्र कौशल कुमार (18), एवं दो अन्य रिश्तेदार धमेन्द्र सहनी (30) और वीर कुंवर सिंह (30) के रूप में की गयी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

लीबिया में तीन दिन में सुरक्षा बल के 200 से अधिक जवानों की मौत

त्रिपोली। लीबिया के पूर्व में स्थित विद्रोही सेना ने दावा किया है कि राजधानी त्रिपोली के दक्षिण में तीन दिन में संयुक्त राष्ट्र समर्थित सुरक्षा बल के 200 से अधिक जवानों की मौत हो गयी है। बागी सेना के सूचना केंद्र ने मंगलवार तड़के एक बयान जारी कर कहा, पिछले तीन दिन में हवाई हमलों और जमीनी लड़ाई सहित विभिन्न सैन्य अभियानों में सरकारी सुरक्षा बल के 200 से अधिक जवान मारे गये। इसके अलावा सैकड़ों जवान घायल भी हुए हैं। गौरतलब है कि सरकारी सुरक्षा बल और विद्रोही सेना के बीच अप्रैल की शुरुआत से ही घातक शस्त्र संघर्ष चल रहा है। विद्रोही सेना राजधानी त्रिपोली को सरकार का नियंत्रण से छीन कर उस पर कब्जा करना चाहती है। लीबिया के तानाशाह मुअम्मर गद्दाफी की 2011 में मौत के बाद देश में हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता का दौर जारी है।

अफगानिस्तान में हवाई हमले में सात नागरिकों की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के मैदान वरदक प्रांत में अमेरिकी सुरक्षा बलों की तरफ किये गए हवाई हमले में कम से कम सात नागरिकों की मौत हो गयी। टोलो न्यूज़ एजेंसी के अनुसार हवाई हमला रविवार शाम को हुआ जब तंगी दरी गांव के निवासी अपने निजी वाहन से जा रहे थे। उल्लेखनीय है कि कतर में आतंकवादी संगठन तालिबान और अमेरिका के बीच शांति समझौते के लिए आखिरी दौर की बैठक चल रही है।

81 साल का बूढ़ा बनकर जा रहा था अमेरिका, एयरपोर्ट पर पकड़ा गया

नईदिल्ली (आरएनएस)। न्यूयॉर्क जाने की सनक इस कदर हावी हुई कि एक लड़के ने अपना हुलिया 81 साल के बूढ़े का बना डाला। यह अलग बात है कि तमाम कोशिशों के बाद भी वो सुरक्षा और जांच एजेंसियों की नजर से बच नहीं सका। उसे गिरफ्तार करके पूछताछ की जा रही है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के प्रवक्ता सहायक महानिरीक्षक हेमेंद्र सिंह ने बताया, इंदिरा गांधी हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर रविवार रात वेशभूषा बदले हुए एक बहरूपिया व्हील चेयर पर पहुंचा था। एयरपोर्ट पर उसने जांच एजेंसियों को धोखा देकर इमीग्रेशन भी क्लियर करा लिया था। सीआईएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक, सीआईएसएफ को उसके बात करने के तौर-तरीके पर शक हो गया। वह व्यक्ति बुजुर्ग की आवाज में जैसे बोल रहा था, उस हिसाब से उसकी त्वचा पर झुर्रियों का नाम-ओ-निशान नहीं था। युवक की त्वचा और उसकी बदली हुई बोली ने उसकी झामे का भंडाफोड़ करा दिया। गिरफ्तार युवक का नाम जयेश पटेल (32) है। जयेश अहमदाबाद का रहने वाला है।

अभी तक नहीं हो सका विक्रम लैंडर से संपर्क, कोशिशें जारीः इसरो

बेंगलुरु (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि चंद्रयान-2 ऑर्बिटर ने मून लैंडर विक्रम का पता लगा लिया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने ट्वीट किया, चंद्रयान-2 ऑर्बिटर ने विक्रम लैंडर का पता लगा लिया है, लेकिन अभी तक उससे संपर्क नहीं हो सका है। इसरो ने कहा, लैंडर से संपर्क करने की हर संभव कोशिश की जा रही है। इसरो ने हालांकि यह नहीं बताया कि चांद की सतह पर लैंडर इस समय किसी स्थिति में है। अंतरिक्ष एजेंसी ने मून लैंडर के सात सितंबर तड़के अपने वास्तविक मार्ग से भटकने और उससे संपर्क टूटने के कारण पर अभी तक कुछ नहीं कहा है। बता दें कि 22 जुलाई को लॉन्च

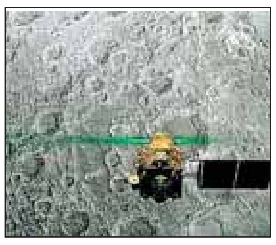

हुआ चंद्रयान- 2 लगातार 47 दिनों तक तमाम बाधाओं को पार करते हुए चांद के बेहद करीब पहुंच गया था। 6-7 सितंबर की दरम्यानी रात इसके लैंडर विक्रम को अपने अंदर रखे रोवर प्रज्ञान के साथ चंद्रमा की सतह पर उतरना था, लेकिन महज 2.1 किमी की दूरी पर ही वह रास्ता भटक गया और उसका इसरो से संपर्क टूट गया। हालांकि, इसरो समेत तमाम वैज्ञानिक जगत का कहना है कि चंद्रयान- 2 ने अपना 95% तक लक्ष्य हासिल कर लिया है। इस मिशन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि ऑर्बिटर अगले 7 वर्ष तक चांद का चक्कर लगाता रहेगा और महत्वपूर्ण जानकारियां देता रहेगा।

पबजी खेलने से रोकने पर बेटे ने काटा पिता का गला

» लाश के टुकड़े-टुकड़े किए

बेंगलुरु (आरएनएस)। पबजी की लत कई लोगों में खतरनाक रूप लेती जा रही है. पबजी को लेकर ऐसा ही एक मामला कर्नाटक के बेलागवी जिले में सामने आया है. यहां 25 साल के एक शख्स ने अपने पिता की इसलिए हत्या कर दी, क्योंकि वो उसे पबजी खेलने से मना कर रहे थे. प्राप्त जानकारी के मुताबिक, रघुवीर कुंभार की कथित तौर पर पबजी खेलने को लेकर अपने पिता के साथ लड़ाई हुई थी. उनके पिता की पहचान 65 साल के शंकरप्पा कुंभार के रूप में हुई, जो एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी थे. रविवार को दोनों के बीच गेम खेलने को लेकर बहस हुई और फिर उसके बाद रघुवीर ने अपने पिता पर हमला किया. उसने पे हमला उनके सिर और पैर पर किया और उनके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए. जिसमें उनकी जान चली गई. ये सब उसने इसलिए, किया ताकि वो शांति से अपने मोबाइल फोन पर पबजी गेम खेल सके.

पुलिस ने मीडिया को बताया, रघुवीर का फोन छीनने पर और पबजी गेम ना खेलने देने पर उसकी अपने पिता से

बुरी तरह से झड़प हो गई थी. इसी दौरान उसने अपने पिता शंकर की हत्या कर दी. पुलिस के आगे बताया, जब रघुवीर ने अपने पिता पर हमला किया, उस समय शंकर घर में बैठा हुआ था. उसने परिवार के दूसरे सदस्यों को एक कमरे में बंद कर दिया था. उसने अपने पिता को टुकड़ों में काट दिया.

पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है. आगे की जांच चल रही है. मृतक शंकर इस घटना से तीन महीने पहले ही पुलिस विभाग से रिटायर हुए थे. ये घटना सिद्धेश्वर नगर काकटी की है. इस घटना को सुबह 5 बजे अंजाम दिया गया. पबजी की लत में फंस कर युवा अपना कॅरियर बर्बाद कर रहे हैं. ऐसे कई मामले आए दिन सामने आते रहते हैं.

पटियाला कोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक

» देशद्रोह केस में शेहला रशीद को बड़ी राहत

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने कश्मीर की युवा नेता शेहला रशीद को अंतरिम राहत दी है। दरअसल, सेना पर विवादित टिप्पणी के बाद शेहला पर देशद्रोह के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद शेहला रशीद पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। अब कोर्ट ने शेहला को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया है।

गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जेएनयू

छात्रसंघ की पूर्व उपाध्यक्ष शेहला राशिद के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज किया है। मामला सुप्रीम कोर्ट के वकील अलख आलोक श्रीवास्तव की शिकायत पर दर्ज किया गया है।

शेहला राशिद पर जम्मू-कश्मीर को लेकर सेना के खिलाफ झूठे, विसंगत, राष्ट्रविरोधी ट्वीट्स करने और फर्जी खबरें फैलाने का आरोप है। बीते शुक्रवार शाम तक शेहला राशिद को गिरफ्तार नहीं किया गया था। स्पेशल सेल के पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के लिए बाद ही गिरफ्तारी होगी।

स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस के डीसीपी मनीषी चंद्रा ने बताया कि शेहला राशिद के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के वकील अलख आलोक श्रीवास्तव ने दिल्ली पुलिस के आयुक्त से शिकायत की थी।

शेहला पर आरोप है कि उन्होंने 18 अगस्त को जम्मू-कश्मीर और सेना को लेकर एक के बाद एक 10 ट्वीट किए थे। शेहला ने भारतीय सेना पर कश्मीर के लोगों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया था। सेना ने आरोपों का खंडन करते हुए इसे झूठा करार दिया था।

आरोप है कि शेहला के ट्वीट को लेकर अंतरराष्ट्रीय मिडिया में भारत और सेना के खिलाफ खबरें चलीं। शिकायत में आरोप है कि शेहला ने हिंसा भड़काने के इरादे से जान-बूझकर देश के खिलाफ खबरें फैलाई और ट्वीट कर जम्मू-कश्मीर में हिंसा फैलाने की कोशिश की।

भारत पर हमले की प्लानिंग कर रहा आईएसआई

नईदिल्ली (आरएनएस)। इस्लामाबाद में आईएसआई ने जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, हिज्बुल मुजाहिदीन और खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स के साथ मीटिंग की है। इस मीटिंग से लगता है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस आतंकी हमले का प्लान तैयार कर रही है। इस मीटिंग में जम्मू-कश्मीर समेत भारत के कई हिस्सों में खूनी खेल का प्लान तैयार किया गया है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करने के लिए आईएसआई अब खालिस्तान आतंकवादी समूह की मदद से हमला करने की योजना बना रहा है। सूत्रों का कहना है कि कश्मीर में तनाव पैदा करने के लिए आईएसआई किसी भी हद

तक जा सकती है। वह हिंसा को उकसावा देने का प्लान भी तैयार कर रही है। सूत्रों ने कहा कि उनका इरादा न केवल घाटी में समस्याएं पैदा करना है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय गुटों का ध्यान आकर्षित करना भी है।

पाकिस्तान पांच अगस्त के बाद से कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने का प्रयास कर रहा है। लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय समुदाय से समर्थन नहीं मिल पा रहा है। खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएसआई जम्मू-कश्मीर और पड़ोसी राज्यों में खालिस्तान आतंकवादियों को उकसाने की कोशिश कर रहा है। इस बीच मुहर्रम के मौके पर कश्मीर में कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर घाटी के कुछ इलाकों में प्रतिबंध लगाए गए हैं।

भारतीय सेना का होगा आधुनिकीकरण

» खर्च किए जाएंगे 130 अरब डॉलर

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत बड़े स्तर पर सुरक्षा खतरों का सामना कर रहा है और इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार अगले पांच से सात सालों में सशस्त्र बलों की युद्धक क्षमता को मजबूत करने के लिए 130 अरब डॉलर खर्च करने जा रही है।

सूत्रों ने कहा कि सरकार ने सेना, नौसेना और वायु सेना के आधुनिकीकरण के लिए एक व्यापक योजना बनाने का फैसला किया है जिसके तहत अगले कुछ सालों में कई महत्वपूर्ण हथियार, मिसाइल, लड़ाकू, जेट, पनडुब्बी और युद्धपोत खरीदे जाएंगे।

सरकार की तत्काल प्राथमिकता थल सेना के आधुनिकीकरण को तेज करना है, जिसमें 2,600 थल सेना के लड़ाकू वाहनों की खरीद शामिल है। साथ ही भारतीय सेना के लिए भविष्य

में तैयार होने वाले कुल 1,700 लड़ाकू वाहनों की खरीद शामिल है। दूसरी प्रमुख प्राथमिकता भारतीय वायुसेना के लिए 110 मल्टीरोल लड़ाकू विमान खरीदना है. सरकार सभी सशस्त्र बलों में अगले 5-7 सालों में बेड़े के आधुनिकीकरण के लिए 130 बिलियन डॉलर का खर्च करेगी. धन के पर्याप्त आवंटन पर जोर दिया जा रहा है ताकि सेना उत्तरी और पश्चिमी दोनों सीमाओं पर एक साथ युद्ध की आशंका से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार रहे.

इमरान खान की पार्टी के नेता ने भारत से मांगी शरण

» खोली पाक की पोल

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत के खिलाफ लगातार आग उगल रहे पाकिस्तान को अब वहां के लोग ही आईना दिखाने लगे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ से विधायक रहे बलदेव कुमार सिंह अब पाकिस्तान छोड़कर भारत वापस आ गए हैं। उन्होंने भारत में राजनीतिक शरण की मांग की है।

पंजाब वापस आकर उन्होंने उस कहानी को बयां किया कि आखिर पाकिस्तान में किस तरह अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा है।

बलदेव कुमार खैबर पख्तूनख्वां विधानसभा में बारीकोट आरक्षित सीट से

विधायक रह चुके हैं। बलदेव के मुताबिक वहां हिंदू और सिख नेताओं की हत्याएं हो रही हैं, इसलिए वे जल्द ही भारत में शरण के लिए आवेदन करेंगे।

बलदेव कुमार ने कुछ महीने पहले परिवार को यहां पंजाब के लुधियाना में अपने रिश्तेदारों के पास खन्ना शहर भेज दिया था। 12 अगस्त को तीन महीने के वीजा पर खुद बलदेव भी यहां आ गए थे, लेकिन अब वे वापिस नहीं लौटना चाहते। बलदेव के मुताबिक साल 2016 में उनके विधानसभा क्षेत्र के विधायक की हत्या हो गई थी। इस मामले में उन पर झूठे आरोप लगाए गए और उन्हें दो साल तक जेल में रखा गया।

2018 में वो इस मामले से बरी हो गए थे। पाकिस्तानी कानून के मुताबिक अगर विधायक (पाकिस्तान में एमपीए) की मौत हो जाए तो इसी पार्टी के दूसरे नंबर पर रहने वाले उम्मीदवार को विधायक बना दिया जाता है। हैरानी की बात यह है कि विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने के दो दिन पहले उन्हें हत्या के मामले में बरी कर दिया गया। ऐसे में बलदेव शपथ लेकर 36 घंटे के लिए विधायक रहे।

बलदेव के मुताबिक, पाकिस्तान में अल्पसंख्यक दहशत के माहौल में रहने को मजबूर हैं। बलदेव की शादी 2007 में पंजाब के खन्ना में रहने वाली भावना से हुई थी। शादी के समय वे पाकिस्तान में पार्षद थे और बाद में विधायक बने। बीते दिनों वे खन्ना के समराला मार्ग पर स्थित मॉडल टाउन में दो कमरों के किराये के मकान में अपने परिवार के साथ दिन गुजार रहे थे। बलदेव की पत्नी भावना अभी भारतीय नागरिक हैं। उनके दो बच्चे 11 साल की रिया और 10 साल का सैम पाकिस्तानी नागरिक हैं। बेटी रिया थैलेसीमिया से पीड़ित हैं और उनका इलाज चल रहा है।